मक्का की दो एकल संकर प्रजातियाँ विकसित

पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का सफल प्रयास

पंतनगर। मक्का की नई–नई संकर एवं संकुल प्रजातियों के विकास के क्रम में पंतनगर विश्वविद्यालय के कृ"ा वैज्ञानिकों को मक्का की 'ाीघ्र पकने वाली, रोग रोधी तथा अधिक उत्पादन देने वाली मक्का की दो एकल संकर प्रजातियों के विकास में सफलता प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय से पूर्व में भी एक दर्जन से अधिक मक्का की संकर एवं संकुल प्रजातियों का विकास किया जा चुका है। वर्तमान में विकसित दोनों एकल संकर प्रजातियों, पंत संकर मक्का–2 तथा पंत संकर मक्का–4 को उत्तराखण्ड राज्य प्रजाति विमोचन समिति द्वारा उत्तराखण्ड के मैदानी क्षेत्रों मे उगाए जाने हेतु विमोचित किया है। पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मंगला राय ने इस उपलब्धि पर ह"ा व्यक्त करते हुए निदेशक 'ाोध डा. जे. पी. सिंह, मक्का प्रजनन परियोजना के वैज्ञानिकों डा. सितार सिंह वर्मा, डा. नरेन्द्र कुमार सिंह, डा. दिनेश चन्द्र बसखेती एवं सभी सहयोगियों डा. राम वीर सिंह, श्री अशोक कुमार, श्री दुर्जन राम को बधाई दी है।

पन्त संकर मक्का–2: शीघ्र पकने वाली एकल संकरण से विकसित मक्का की संकर प्रजाति है जिसकी उत्पादन क्षमता उत्तराखण्ड के मैदानी क्षेत्रों में लगभग 40 कुंतल प्रति हैक्टेयर है। इस एकल संकर मक्का प्रजाति में 45–50 दिन में फूल आ जाते हैं तथा 80–84 दिन में फसल पककर तैयार हो जाती है। पौधों की उॅचाई लगभग 175–185 सेमी0 होती है जिस पर 85–90 सेमी0 की उॅचाई पर भुट्टे लगते हैं। मक्के के दानों का रंग चमकदार पीला होता है अखिल भारतीय समन्वित मक्का परीक्षणों मे पन्त संकर मक्का–2 की उत्पादन क्षमता 39 कुंतल प्रति हैक्टेयर से लेकर 56 कुंतल तक पायी गई है तथा इसकी उत्पादकता 45.3 कुंतल प्रति हैक्टेयर आंकी गई थी। उत्तराखण्ड राज्य स्तर पर किये गए परीक्षणों मे यह संकर प्रजाति पूर्व मे प्रचलित प्रजाति, सूर्या से 13.87 प्रतिशत तथा एकल संकर पन्त संकर मक्का–1 से करीब 8 प्रतिशत अधिक उत्पादन देने वाली पाई गई है। कृ"ाकों के खेतों पर भी

इसकी उपज क्षमता अच्छी रही है। पन्त संकर मक्का–2 की उत्पादन क्षमता उत्तराखण्ड में मक्का के औसत उत्पादन, जो कि 14 कुंतल प्रति हैक्टेयर है, से करीब 26 कुंतल प्रति हैक्टेयर अधिक है अतः किसान पन्त संकर मक्का–2 की खेती से मक्के का औसत उत्पादन बढ़ा सकते हैं तथा साथ ही साथ प्रति हैक्टेयर अधिक आय ले सकते हैं।

पन्त संकर मक्का–4: शीघ्र पकने वाली यह एकल संकर प्रजाति संकरण द्वारा विकसित की गयी है जिसकी उत्पादन क्षमता उत्तराखण्ड के मैदानी क्षेत्रों में लगभग 41 कुंतल प्रति हैक्टेयर है। अखिल भारतीय समन्वित मक्का परीक्षणों मे पन्त संकर मक्का–4 की उत्पादन क्षमता लगभग 40 कुंतल प्रति हैक्टेयर से लेकर 57 कुंतल प्रति हैक्टेयर तक पायी गई है तथा औसत उत्पादन 45.6 कुंतल प्रति हैक्टेयर आंका गया है। पन्त संकर मक्का–4 में करीब 46–51 दिन में फूल आ जाते हैं तथा 82–84 दिन में फसल पूर्णतयाः पककर तैयार हो जाती है, पौधों की उॅचाई लगभग 180–200 सेमी0 होती है जिस पर 80–90 सेमी0 की उॅचाई पर भुट्टे लगते हैं। मक्के के दानों का

रंग हल्का पीला होता है उत्तराखण्ड राज्य स्तरीय प्रजातीय परीक्षणों में पन्त संकर मक्का–4 पूर्व में प्रचलित प्रजाति, सूर्या से 29.91 प्रतिशत तथा पन्त संकर मक्का–1 से 16.67 प्रतिशत अधिक उत्पादन देने वाली सिद्ध हुई है। पन्त संकर मक्का–4 की उत्पादन क्षमता उत्तराखण्ड में मक्का के औसत उत्पादन जो कि 14 कुंतल प्रति हैक्टेयर है, से करीब 27 कुंतल प्रति हैक्टेयर अधिक है अतः किसान पन्त संकर मक्का–4 को उगाकर मक्के का औसत उत्पादन बढ़ने से निश्चित रुप से लाभान्वित हो सकते हैं।

पंत संकर मक्का–2

पंत संकर मक्का–4